संवेदनशीलता यानी आसपास की खोज-खबर

17

तुम्हारे आसपास पता नहीं क्या-क्या होता रहता है। कक्षा में बैठे हो, तो दोस्त लोग आसपास बैठे हिलते-डुलते रहते हैं। तुम खुद भी तो हिलते-डुलते रहते हो। गुरुजी कुछ कह रहे हैं, पर साथ में बाकी छात्र भी हल्ला मचाए जा रहे हैं। कोई दोस्त तुम्हें पीछे से गुदगुदी कर देता है। कभी प्यास लगती है, तो कभी खुजली होती है। कभी कोई मक्खी हाथ पर आकर बैठ जाती है। उधर कक्षा के बाहर चिड़िया चहचहा रही है।

और तुम्हें क्या इन सब बातों की बिल्कुल खबर नहीं है? आसपास जो भी हो रहा है, उसकी खबर तुम्हें रहती है। तुम गुरुजी की बात भी सुनते हो, मक्खी भी भगाते हो, गुदगुदी होने पर हंसी रोकते भी हो और कभी-कभी हंस भी पड़ते हो।